B- 3+4
L- 22

Ethics

[मोहनदास करमचंद गांधी ⇒ बापू]

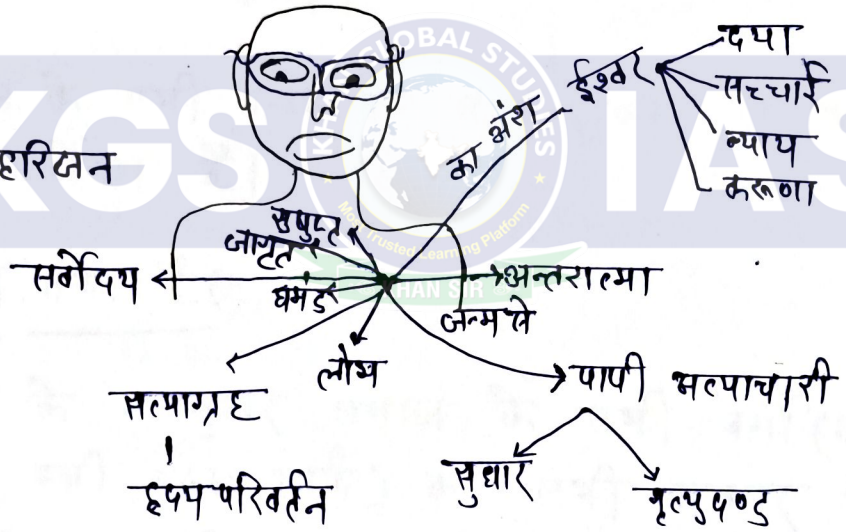

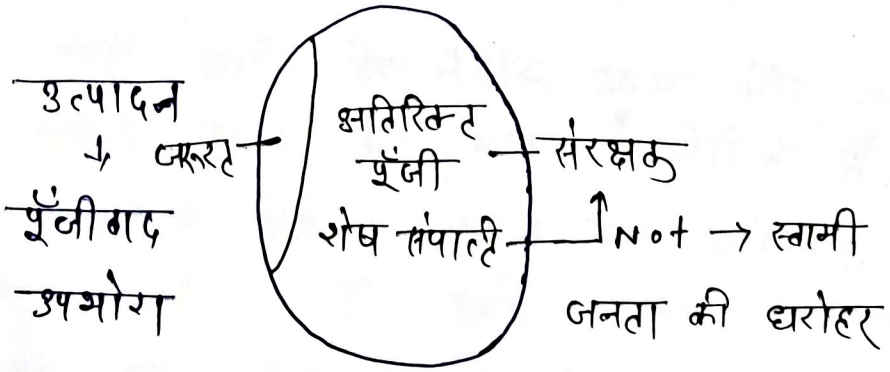

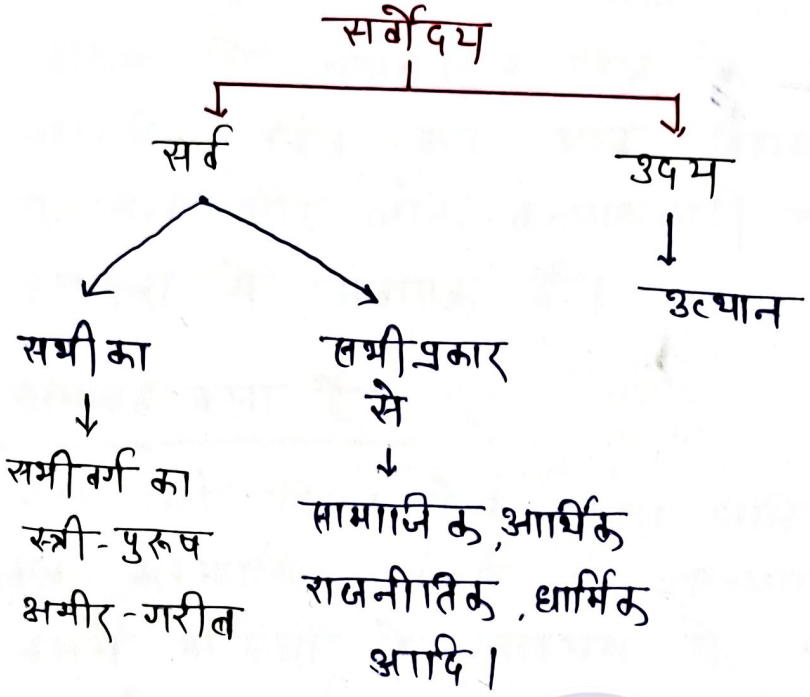

- समाज के सभी वर्गों का सभी प्रकार से उदय ही सर्वोदय है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

सर्वोदय क्या है?

- गाँधी के मतानुसार समाज के सभी वर्गों (अमीर गरीब, स्त्री, पुरुष आदि) का सभी प्रकार से (सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं अध्यात्मिक) उदय ही सर्वोदय है।

यहाँ अमीर के नैतिक उदय और गरीब के आर्थिक उदय का भाव सन्निहित है।

समाज के समग्र उत्थान का अहितिय, मानवीय प्रयास सर्वोदय है। इसमें शोषण, अत्याचार, संघर्ष एवं प्रतियोगिता के स्थान पर त्याग, प्रेम

और परस्पर सहभोग पर बल दिया जाता है। सर्वोदय में व्यक्तिगत हित के स्थान पर सार्वजनिक हित का भाव विद्यमान है। यह सुशासन और लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना में सहायक है।

सत्याग्रह क्या है?

सत्य की विषय हेतु किया जाने वाला नैतिक एवं अध्यात्मिक संघर्ष ही सत्याग्रह है। इसमें अहिंसा के माध्यम से असत्य पर आधारित बुराई का विरोध किया जाता है।

सत्याग्रह के क्रम में सत्याग्रही स्वयं को कष्ट में डालकर अत्याचारी / विरोधी का हृदय परिवर्तन कराता है, उसकी सुषुप्त अंतरात्मा को जागृत करता है। इस प्रकार सत्याग्रह समाज में सकारात्मक परिवर्तन, लाने शोषण एवं अत्याचार को खत्म करने तथा संघर्षों एवं समस्याओं के समाधान का एक उचित मार्ग प्रशस्त करता है।

उपवास, अनशन, भूख हड़ताल, असहयोग, सविनय अवज्ञा आदि सत्याग्रह के विभिन्न रूप हैं।

सत्याग्रही को 11 व्रतों से युक्त होना चाहिए जैसे- सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, शारीरिक श्रम, अस्वाद, अभय, सर्व धर्म समभाव,

स्वदेशी एवं अस्पृश्यता निवारण।

न्यास धारिता का सिद्धांत (ट्रस्टीशिप)

समाज में आर्थिक विषमता को दूर कर आर्थिक न्याय की स्थापना हेतु गांधी ट्रस्टीशिप की अवधारणा प्रस्तुत करते हैं।

इसके अनुसार पूँजीपति अपने संपत्ति के उतने ही भाग का उपयोग करेगा और स्वयं को उसका स्वामी समझेगा जितनी की उसे आवश्यकता हैं। वह अपने शेष संपत्ति को अपने पास समाज की धरोहर मानकर उसके संरक्षक के रूप में कार्य करेगा तथा उस संपत्ति का उपयोग जनहित के कार्यों जैसे- धर्मशाला, कुआँ, तालाब आदि के निर्माण में करेगा।

अहिंसा क्या है:-

मन, वचन और कर्म से किसी को कष्ट न देते हुए उसके प्रति प्रेम, सद्भाव, सहयोग और सह-अस्तित्व का भाव रखना ही अहिंसा है।

वर्ण व्यवस्था संबंधित गांधी के विचार :-

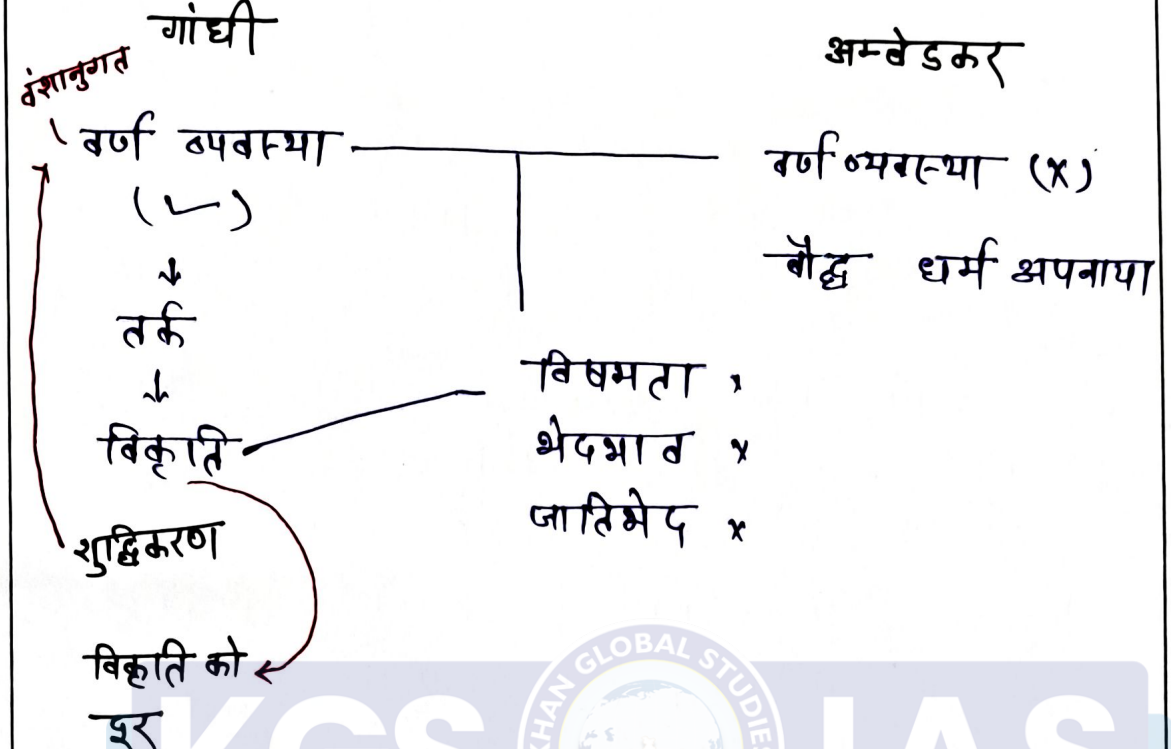

गांधी वर्ण व्यवस्था का समर्थन- आधार

- श्रम विभाजन पर आधारित है।
- समाज में शांति और सहयोग में सहायक है।
- परंपरागत ज्ञान एवं कौशल का संरक्षण
- प्रत्येक पक्ष में, प्रत्येक क्षेत्र में विशेषज्ञता की स्थिति
- आसानी से आजीविका की प्राप्ति तथा शेष समय का आध्यात्मिक उत्थान में प्रयोग।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES